StudentBounty.com

नामांक Roll No.

No. of Sections — 3

No. of Printed Pages — 7

SS—32—SH.HD. (Hindi)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2014

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2014

हिन्दी शीघ्रलिपि

(SHORTHAND HINDI)

समय — 3 $\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक — 40

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें ।

2. तीनों खण्ड एक ही बैठक में लिखाये जायें ।

3. प्रथम एवं द्वितीय खण्डों तथा द्वितीय एवं तृतीय खण्डों के बीच में **5–5** मिनट का मध्यान्तर दिया जाये ।
   तीनों खण्डों के संकेत लिपि श्रुतलेखों के हिन्दी अक्षरीकरण के लिए 2 $\frac{3}{4}$ घंटे का समय दिया जाए ।

4. केवल निम्न विराम-चिह्न ही लगाएं :
   पूर्ण विराम, अर्द्ध-विराम और प्रश्न-चिह्न एवं कोष्ठक ।

5. संकेत लिपि पेन्सिल से लिखा जाए तथा उसका अनुवाद हिन्दी में टंकण यंत्र / कम्प्यूटर से ही टंकित किया जाय । हाथ से लिखा मान्य नहीं होगा ।

6. संकेत लिपि में लिखा हुआ श्रुतलेख उत्तर-पुस्तिका के साथ नत्थी कर दिया जाए ।

7. संकेत लिपि के **20%** अंक रखे गये हैं ।

8. खण्ड प्रथम 4 मिनट, खण्ड द्वितीय 5 मिनट तथा खण्ड तृतीय 7 मिनट लिखवाने के रखे गए हैं । प्रत्येक खण्ड 80 शब्द प्रति मिनट की गति से बोला जाय ।

StudentBounty.com

1. **प्रथम खण्ड** 10

(इसे **80** शब्द प्रति मिनट की गति से लिखाया जाए ।)

गौवर्धन प्रसाद बोहरा एण्ड कम्पनी

(कपड़े के थोक व्यापारी एवं कमीशन एजे़न्ट)

पत्र क्रमांक 774 बिहारी पोल, / $\frac{1}{4}$

फोन नं० 082772158 न्यूपावर हाऊस रोड,

अहमदाबाद (गुजरात)

सर्व श्री अन्जना क्लाथ मिल्स,

बड़ी सड़क, औद्योगिक / क्षैत्र, $\frac{1}{2}$

रतलाम (मध्य प्रदेश)

गोपनीय

विषय : आर्थिक स्थिति की जानकारी के क्रम में

प्रिय महोदय,

आपका पत्र / संख्या सी / 13 / 117 दिनांक 5. 12. 13 का प्राप्त हुआ इसके लिए $\frac{3}{4}$
अनेकानेक धन्यवाद । आपने हमारे ही शहर // के मैसर्स श्री भैरुलाल विजय एण्ड कम्पनी, कपड़े 1
के थोक व्यापारी, कपड़ा बाजार, रतलाम की आर्थिक स्थिति / के बारे में हमसे जानकारी प्राप्त करनी $1\frac{1}{4}$
चाही है । इस संम्बध में हमारा आपसे निवेदन है कि उक्त फर्म / अपने शहर में पिछले $1\frac{1}{2}$
70 वर्षों से स्थापित है । हमारा इस फर्म से पिछले 40 वर्षों से व्यापारिक सम्बंध / है । यह शहर $1\frac{3}{4}$
की प्रतिष्ठित फर्मों में से एक है ।

StudentBounty.com

इस फर्म द्वारा हमेशा रोकड़ी छूट ली जाती // है । इनका चैक कभी भी अप्रतिष्ठित नहीं 2
हुआ है । निर्धारित समय से पूर्व भुगतान करना इनकी आदत में / है । व्यापारिक एवं गैर व्यापारिक $2\frac{1}{4}$
संस्थाओं में इस फर्म की प्रतिष्ठा बनी हुई है ।

अत: हमारी राय में / इस फर्म द्वारा उधार माल के क्रय का अनुबन्ध कर इस फर्म को $2\frac{1}{2}$
10 - 15 लाख रुपये तक का / माल आसानी से उधार दे सकते हैं फिर भी इस सम्बंध में हमारी $2\frac{3}{4}$
किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी नहीं होगी । // 3

कृपया आप इस सूचना–पत्र को गोपनीय ही रखना । आप चाहे तो यह भी निवेदन है कि
इनसे / सम्बंधित जानकारी इनके बैंक पंजाब नेशनल बैंक कपड़ा बाजार शाखा से भी जानकारी प्राप्त $3\frac{1}{4}$
कर सकते है । जिससे आपको / इस फर्म से पूर्ण सन्तुष्टि हो सके । $3\frac{1}{2}$

हम है आपके

गौवर्धन प्रसाद बोहरा एण्ड कम्पनी के लिए

(राजेन्द्र कुमार) / $3\frac{3}{4}$

साझेदार

पुनश्च : आपके शहर में ही मैसर्स पाटीदार क्लॉथ मर्चेन्ट मैगा मार्ट माल से भी जानकारी कर सकते
हैं । // 4

2. **द्वितीय खण्ड** 10

(इसे प्रति मिनट **80** शब्दों की गति से लिखाए जाए ।)

कार्यालय प्रधानाचार्य, राज० उच्च० माध्यमिक विद्यालय रतनगढ़ (भोपाल)

पत्रांक 913/2013 दिनांक 03 दिसम्बर / 2013 $\frac{1}{4}$

सेवा में,

निदेशक महोदय,

माध्यमिक शिक्षा

भोपाल (म० प्र०)

द्वारा : उपनिदेशक (माध्यमिक)

उप / निदेशक कार्यालय $\frac{1}{2}$

भोपाल (म० प्र०)

विषय : नये विषय की स्वीकृति के सम्बंध में ।

मान्यवर महोदय / $\frac{3}{4}$

उपरोक्त विषयान्तर्गत विनम्र निवेदन है कि पिछले वर्ष 2011 - 12 में इस विद्यालय को

StudentBounty.com

उ० मा० विद्यालय में // क्रमोन्नत कर कला वर्ग, वाणिज्य वर्ग एवं विज्ञान वर्ग खोलने की स्वीकृति 1

प्रदान की थी ।

इस विद्यालय में कक्षा / XI एवं XII में कला वर्ग में राजनीति विज्ञान, हिन्दी ऐच्छिक एवं $1\frac{1}{4}$

अर्थशास्त्र विषय का संचालन हो रहा / है ।इस वर्ष रतनगढ़ को तहसील बनाने के कारण व आस- $1\frac{1}{2}$

पास के गाँवों में उ० माा० / विद्यालय नहीं होने से इस विद्यालय में कला वर्ग में इतिहास विषय खोलने $1\frac{3}{4}$

की मांग बढ़ती जा रही है ।// 2

इसी के साथ साथ वाणिज्य विषय में भी ऐच्छिक विषय के अन्तर्गत केवल अर्थशास्त्र विषय

का संचालन हो रहा है । / छात्रों द्वारा हिन्दी टंकण एवं अंग्रेजी टंकण विषय खुलवाने हेतु भी $2\frac{1}{4}$

बार-बार आग्रह किया जा रहा है ।/ $2\frac{1}{2}$

इस सम्पूर्ण क्षेत्र में 80 KM दूर जबलपुर में विज्ञान है ।

अन्य किसी भी नजदीक के विद्यालय में विज्ञान / विषय नहीं होने से काफी संख्या में छात्र- $2\frac{3}{4}$

छात्राओं को मजबूरन कला अथवा वाणिज्य वर्ग लेना पड़ रहा है । // आए दिन अभिभावक व 3

ग्रामीण जन विज्ञान विषय खुलवाने हेतु आग्रह करते रहे हैं ।

इस सन्दर्भ में निवेदन है कि / यदि आप उक्त विषयों को खुलवाने की स्वीकृति प्रदान कर सके $3\frac{1}{4}$

तो इस विद्यालय के पास भौतिक संसाधनों में भवन / कक्षा कक्ष, प्रयोगशालाएँ, (भौतिक विज्ञान, $3\frac{1}{2}$

रसायन विज्ञान एवं जीव विज्ञान) एवं फर्नीचर भी पर्याप्त मात्रा में / उपलब्ध है । $3\frac{3}{4}$

StudentBounty.com

स्वीकृति मिलने पर अभिभावकों व गाँव के भामाशाहों ने उपकरण व अन्य सामग्री के लिए वित्तीय व्यवस्था // वो लोग कर देंगे । 4

इसी के साथ साथ यह भी निवेदन है कि शिक्षा विभाग द्वारा व्याख्याताओं की नियुक्ति / में $4\frac{1}{4}$
विलम्ब होने की स्थिति में भी विज्ञान संकाय में द्वितीय श्रेणी के 3 व 3 स्नातकोत्तर हैं । ये अध्यापन / करा सकेंगे । $4\frac{1}{2}$

अत: मेरा आपसे निवेदन है कि उपरोक्त विषयों को खोलने की स्वीकृति प्रदान करा कर इस क्षेत्र / के छात्रों को उपकृत करने की महती कृपा कराने की कृपा करावें । $4\frac{3}{4}$

भवदीय

प्रधानाचार्य

रा० उ० मा० वि० रतनगढ़ (भोपाल) // 5

3. **तृतीय खण्ड** 20

(इसे **80** शब्द प्रति मिनट की गति से लिखाया जाए ।)

<u>मुक्ति का माधुर्य</u>

हमारा जीवन प्रेम, शांति, माधुर्य और आनन्द से परिपूर्ण है और अगर परिपूर्ण नहीं
लगता / तो परिपूर्ण बनाया जा सकता है । और जीवन में एक अनुपम संगीत की संभावना है । प्रेम $\frac{1}{4}$
की / रसधार छलकती रहे, शान्ति की वीणा बजती रहे और आनन्द का अमृत निर्झरित रहे, तो $\frac{1}{2}$
जीवन से बढ़कर / न कोई मन्दिर है, न कोई अनुष्ठान और न कोई स्वर्ग है । मौसम इतना सुहावना $\frac{3}{4}$
है, बादलों // से आसमान आच्छादित है । यह सभी किसानों व भौरों को प्रसन्न करता है । बादलों 1
के घिर आने / के बावजूद आसमान से न तो सूरज खोया है न चांद खोया है और न कोटि–कोटि तारे $1\frac{1}{4}$

StudentBounty.com

विलुप्त / हुए है । मेघावली के कारण सूरज और चांद, आसमान से बरसने वाला अनंत प्रकाश $1\frac{1}{2}$
आच्छादिन भले ही हो / जायें लेकिन वह विलुप्त नहीं हो सकता । जीवन का प्रेम, उसकी शान्ति, $1\frac{3}{4}$
उसका माधुर्य और उसका आनन्द // आवृत्त हो सकता है, आच्छादित हो सकता है, लेकिन समाप्त 2
नहीं हो सकता ।

समझ और सजगता का / अभाव होने के कारण जीवन का संगीत विलुप्त हो गया है, जीवन $2\frac{1}{4}$
का आनन्द समाप्त प्राय: हो गया है, जीवन / का माधुर्य हमारे हाथ से छूट गया है । मेरे देखे, जीवन $2\frac{1}{2}$
में रस है, भावों का रस; क्यों / कि जीवन कोई व्यापार नहीं है और न ही यह व्यवहार या कर्तव्य $2\frac{3}{4}$
है । जीवन का अस्तित्व इससे और // आगे भी है । यदि जीवन से आनन्द का संगीत निष्पन्न होता 3
हुआ नजर नहीं आता तो इसका दोष / उन अंगुलियों का है, जो बांसुरी पर ढंग से सध नहीं पाई । $3\frac{1}{4}$
अगर कृष्ण की बांसुरी से वह / संगीत और वे स्वर-लहरियाँ ईजाद हो सकती हैं, जिससे $3\frac{1}{2}$
सारा विश्व आलोड़ित हो जाये, तो हमारे जीवन / में भी वे स्वर-लहरियाँ क्यों नहीं प्रस्फुटित हो $3\frac{3}{4}$
सकती ?

मनुष्य के पास जीवन को आनन्दमय बनाने की कला // नहीं है । यह बड़े ताज्जुब की बात 4
है कि ठेठ बाहर से आदमी अपनी आत्म-शान्ति, अपनी आत्म-मुक्ति / के लिए भारत तक पहुँच $4\frac{1}{4}$
रहा है, लेकिन भारत का आदमी अनजान, बेखबर बना हुआ है । मनुष्य / के हाथ में उसका अपना $4\frac{1}{2}$
भाग्य नहीं रहा, इसलिए मनुष्य भगवान भरोसे हो गया है । 'भारत भाग्य विधाता' / विधाता ही भारत $4\frac{3}{4}$

StudentBounty.com

का भाग्य है । मनुष्य का जीवन पर भरोसा नहीं रहा । नतीजतन यहाँ का मनुष्य जीवन // के 5
आनन्द, उसकी शान्ति और उसके माधुर्य से वंचित है ।

गंगा के किनारे बैठा व्यक्ति ही मैल से / सना हो, तो आश्चर्य होना स्वाभाविक है । अगर $5\frac{1}{4}$
नहाने का प्रयास भी किया जाता है, तो भी / पशु की तरह, एक हाथी की तरह । हाथी कितना भी $5\frac{1}{2}$
नहा ले, लेकिन बाहर आते ही पीठ पर / मिट्टी ही उड़ेलेगा । ऐसे ही हम सुबह-शाम अपने पापों $5\frac{3}{4}$
को धोने का इंतजाम कर लेते हैं, लेकिन // वे इंतजाम कोरे इंतजाम भर रह जाते है । पाप पूरे धुल 6
नहीं पाते और पापों की परत, पापों / की काई और चढ़ जाती है । $6\frac{1}{4}$

धर्म-कर्म-मन्दिर-परमात्मा ये सब तो दूर की बातें / है । आदमी का न तो धर्म के प्रति $6\frac{1}{2}$
लगाव है और न पाप-पुण्य, स्वर्ग-नरक या परमात्मा के / प्रति ही उसका जुड़ाव है । उसका लगाव $6\frac{3}{4}$
तो धन और यश के प्रति है । इसलिए वह मेहनत करता है । // 7